भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2701

गुरुवार, 23 मार्च, 2023/2 चैत्र, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

स्वदेश दर्शन योजना के तहत दार्जिलिंग के पर्यटन स्थलों को शामिल करना

2701. श्रीमती शांता क्षत्रीः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या दार्जिलिंग की किसी पर्यटन परियोजना को स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो क्या निकट भविष्य में दार्जिलिंग के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों को स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत शामिल किए जाने की संभावना है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): पर्यटन स्थलों की पहचान और विकास मुख्य रूप से सम्बन्धित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र (यूटी) प्रशासन की जिम्मेदारी है तथापि पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन' योजना के तहत निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशा-निर्देशों के अनुपालन और पहले जारी की गई निधियों आदि के उपयोग के अध्यधीन देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एसेंजियों आदि को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। स्वदेश दर्शन योजना के तहत वर्ष 2015-16 में 67.99 करोड़ रु. की राशि से पश्चिम बंगाल में 'तटीय परिपथ का विकास: उदयपुर-दीघा-शंकरपुर- ताजपुर- मंदारमणि- फ्रेज़रगंज-बक्खलाई- हेनरी द्वीप' नामक एक परियोजना को स्वीकृति दी गई थी। परियोजना भौतिक रूप से पूर्ण हो गई है हालांकि इस परियोजना में दार्जिलिंग शामिल नहीं है।

पर्यटन मंत्रालय ने देश में स्थायी और जिम्मेदार पर्यटक गंतव्यों के विकास के लिए अब स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में अपनी स्वदेश दर्शन योजना को परिवर्तित किया है। इस समय पश्चिम बंगाल की राज्य सरकार से एसडी 2.0 के तहत दार्जिलिंग के विकास हेतु कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

****